ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निष्ठा, प्रामाणिकता, विवेक और प्रतिभा ही संपादक की पहचान : हरिवंश

वर्धा, 29 अगस्त 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में बुधवार, 28 अगस्त को समता भवन स्थित माधवराव सप्रे सभागार में 'संपादक के सत्व' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश ने कहा कि निष्ठा, प्रामाणिकता, विवेक और प्रतिभा ही संपादक की पहचान है। संपादक का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व लेखन में मर्यादा का पालन करना है,

जो बात हम लिख रहे हैं, वही बात हम सामने बोल सकें, इतनी मर्यादा हमारे शब्दों में होनी चाहिए। श्री हरिवंश ने कहा कि एक पत्रकार के रूप में आप सहज और बोलचाल की भाषा में कैसे अपने विचार लोगों तक पहुँचा सकते हैं यह महत्वपूर्ण है। श्री हरिवंश ने अपने सारगर्भित व्यक्तव्य में कहा कि महात्मा गांधी अपने समय के सबसे बड़े संपादक थे। उन्होंने पत्रकारिता के मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया। श्री हरिवंश ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उभर रहे खतरों से भी अवगत कराया साथ ही पत्रकारिता के संबंध में आकड़े भी प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि आज विचार नहीं तकनीक दुनिया को बदल रही है, इस बदलते दौर में हमें पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा करनी ही पड़ेगी इसलिए हर अखबार के हर संपादक का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह अपने पत्र-पत्रिकाओं में शब्दों का सोच समझकर इस्तेमाल करे। उन्होंने सभागार में उपस्थित अध्यापक एवं विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान के लिए श्री हरिवंश का आभार जताया एवं उन्हें पुनः विश्वविद्यालय पधारने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो. कृपाशंकर चौबे ने किया। जनसंचार विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

निष्ठा, सत्यता, विवेक आणि प्रतिभा ही संपादकाची ओळख : हरिवंश

वर्धा, २९ ऑगस्ट, २०२४: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात बुधवार, २८ ऑगस्ट रोजी समता भवन येथील माधवराव सप्रे सभागृहात 'संपादकांचे सत्व' या विषयावर आयोजित विशेष व्याख्यानात राज्यसभेचे उपसभापती श्री हरिवंश म्हणाले की निष्ठा, सत्यता, विवेक आणि प्रतिभा ही संपादकाची ओळख असते. संपादकाची सर्वांत महत्त्वाची जबाबदारी म्हणजे लेखनात शिष्टाचार पाळणे, आपण जे काही लिहीत आहोत, तेच समोर बोलता आले पाहिजे, आपल्या शब्दात एवढी सभ्यता असली पाहिजे. श्री हरिवंश म्हणाले की पत्रकार या नात्याने तुम्ही तुमचे विचार लोकांपर्यंत सोप्या आणि बोलक्या भाषेत कसे पोहोचवू शकता हे महत्त्वाचे आहे. श्री हरिवंश यांनी आपल्या संक्षिप्त निवेदनात म्हटले आहे की महात्मा गांधी हे त्यांच्या काळातील महान संपादक होते आणि त्यांनी पत्रकारितेच्या मूल्यांशी कधीही तडजोड केली नाही. श्री हरिवंश यांनी आर्टिफिशियल इंटेलिजन्समधून उद्भवणाऱ्या धोक्यांची माहिती दिली आणि पत्रकारितेची आकडेवारीही सादर केली. ते म्हणाले की, आज तंत्रज्ञानाने नाही तर जग बदलत आहे, या बदलत्या युगात आपल्याला पत्रकारितेच्या मूल्यांचे रक्षण करायचे आहे, त्यामुळे प्रत्येक वृत्तपत्राच्या संपादकाचे वृत्तपत्रात शब्दांचा विचारपूर्वक वापर करणे हे नैतिक कर्तव्य आहे. सप्रे सभागृहात उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थ्यांच्या शंकांचे त्यांनी निरसनही केले अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह यांनी श्री हरिवंश यांच्या अभ्यासपूर्ण व्याख्यानाबद्दल त्यांचे आभार व्यक्त केले आणि त्यांना पुन्हा विश्वविद्यालयाला भेट देण्याचे आवाहन केले. कार्यक्रमाचे संचालन जनसंचार विभागाचे अध्यक्ष तथा कार्यक्रमाचे संयोजक प्रो. कृपाशंकर चौबे यांनी केले. जनसंचार विभागाचे असोशिएट डॉ. राजेश लेहकपुरे यांनी सर्वांचे आभार मानले. यावेळी शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.